पंजाब केसरी 11/02/2026

क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस भविष्य के कार्यक्षेत्र को नई दिशा दे रही है : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 10 फरवरी (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के कम्प्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमैंट विभाग द्वारा एस.एस. लिटिल एंजेल्स कॉन्वैंट स्कूल, मच्छौंडा में 'आधुनिक युग में आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस : करियर अवसरों के द्वार खोलना' विषय पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर गहरी रुचि दिखाई।

अपने संदेश में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस वर्तमान समय की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है, जो भविष्य के कार्यक्षेत्र को नई दिशा दे रही है।

विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ उभरती तकनीकी की समझ विकसित करें। ऐसे क्षमता निर्माण कार्यक्रम युवाओं को समय की मांग के अनुरूप कौशल प्रदान करते हैं और उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करते हैं। गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज सदैव विद्यार्थियों को नवीनतम ज्ञान और व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलिमा खांडेकर ने गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त आमंत्रित वक्ताओं डॉ. गीता कौशिक तथा डॉ. दिशा अरोड़ा और कम्प्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमैंट विभाग की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन पूर्ण सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और उन्हें भविष्य की नई तकनीकों तथा करियर संभावनाओं को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

इस अवसर पर डॉ. गीता कौशिक तथा डॉ. दिशा अरोड़ा ने ए.आई. के विभिन्न आयामों, इसके बढ़ते प्रभाव और भविष्य में उपलब्ध करियर संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों की समझ को मजबूत करने के लिए ए.आई. टूल्स का लाइव प्रदर्शन भी किया गया, जिसे छात्रों ने बेहद उत्साह के साथ देखा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य में आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस (ए.आई.) की भूमिका, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा इससे जुड़े विविध रोजगार अवसरों के बारे में जागरूक करना था।

वहीं, कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को उनकी रुचि और योग्यता के अनुरूप सही दिशा चुनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विचार-मंथन और खुली चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए अनेक प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से उत्तर दिया। यह संवादात्मक सत्र विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी और प्रेरणादायक रहा।